

आधिकारी
करौली (राज०)

36.5 म

करीब 36.5 म। पत्राचार का व्यवस्थापन किया
गया। पत्राचार के व्यवस्थापन में डाकघर-पत्र में
एक सहायकिका को पूरे में भीमाशय नहीं होने पर
पूरा डाकघर एका व उदुका काल की कामकाज
की कामकाज उ मार में कायिक माल में नहीं की
गयी इसलिए डाकघर-पत्र डाकघरक स्पष्ट हो चुका
है। उदा. डाकघर-पत्र डाकघरक स्पष्ट हो जाने में
अधिक भीमाशय का पत्राचार में प्रमुख प्रमुख काम
नहीं है माल कामकाज कायिक कामकाज की भीमाशय
कामकाज माल

9/11
उपखण्ड अधिकारी
करौली (राज०)

